भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1365
(जिसका उत्तर मंगलवार, 11 मार्च, 2025/20 फाल्गुन, 1946(शक) को दिया जाना है)

कर कटौती के बावजूद आयकर प्राप्तियों में वृद्धि

1365. **श्री मल्लिकार्जुन खरगे:**

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को टैक्स स्लैब में कटौती करने के बावजूद वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आयकर संग्रह में वृद्धि की उम्मीद है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित आयकर प्राप्तियां क्या हैं और उनकी तुलना पिछले तीन वर्षों से कैसे की जाती है; और

(ग) क्या सरकार ने राजस्व सृजन पर कर कटौती के प्रभाव का आकलन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर:

वित्त राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

(क): जी हां, वित्त विधेयक, 2025 में प्रस्तावित कर स्लैब और कराधान की दरों में बदलाव के प्रभाव को वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट अनुमानों की गणना में शामिल किया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान 25.20 लाख करोड़ रुपये अनुमानित किया गया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमान (22.37 लाख करोड़ रुपये) से 12.65 प्रतिशत अधिक है। यह अनुमान, कराधान की दरों में कमी और प्रस्तावित कर स्लैब में बदलाव करके और इसके परिणामस्वरूप संभावित कर छूट को ध्यान में रखते हुए, प्रत्यक्ष कर उछाल की दर को कम करके लगाया गया है।

(ख): वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित आयकर प्राप्तियां और पिछले तीन वर्षों के संशोधित अनुमान और वास्तविक संग्रह की तुलना नीचे दर्शाई गई है:

वित्तीय वर्ष	**राशि (लाख करोड़ रुपये में)**	**पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर**
2025-26 (बजट अनुमान)	25.20	12.65%
2024-25 (संशोधित अनुमान)	22.37	14.13%
2023-24 (वास्तविक संग्रह)	19.60	17.85%
2022-23 (वास्तविक संग्रह)	16.63	

(ग): कर स्लैब और कराधान की दरों में प्रस्तावित बदलावों का कुल राजस्व छूट के संदर्भ में प्रभाव लगभग 1 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। इस गणना में विभिन्न आय वर्गों के करदाताओं को मिलने वाले लाभ को शामिल किया गया है।

****